18-26 अप्रैल, 2022 को वियतनाम में भारतीय समुदाय के लोगों के साथ संवाद हेतु आयोजित समारोह में माननीय अध्यक्ष, लोक सभा का भाषण

वियतनाम में भारत के राजदूत, श्री प्रणय वर्मा;

हो चि मिन्ह शहर में भारत के कोंसुल जनरल, डॉ. मदन मोहन सेठी ;

इंडियन बिजनेस चैंबर,वियतनाम के पदाधिकारीगण ;

प्रवासी भारतीय समुदाय के सदस्यगण;

देवियो और सज्जनो;

- **नमस्ते।**
- वियतनाम में आज यहां आप सभी के बीच आकर मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है। मेरे और मेरे शिष्टमंडल के सदस्यों के लिए इस समारोह का आयोजन करने हेतु मैं भारतीय समुदाय तथा वियतनाम स्थित भारतीय दूतावास के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं।
- मित्रो, भारत और वियतनाम के बीच पारंपरिक रूप से घनिष्ठ एवं मैत्रीपूर्ण द्विपक्षीय संबंध रहे हैं। हमारे दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक और सभ्यतागत घनिष्ठ संबंध भी रहे हैं। इसके साथ-साथ औपनिवेशिक शासन से मुक्ति पाने हेतु हमारे साझे संघर्ष और स्वतंत्रता हेतु हमारा राष्ट्रीय संघर्ष भी ऐतिहासिक रूप से समान है। भारत और वियतनाम के बीच पूर्ण रूप से कूटनीतिक संबंधों की शुरूआत 07 जनवरी, 1972 को हुई थी। इस वर्ष हम अपने कूटनीतिक सम्बन्धों की 50वीं वर्षगांठ मना रहे हैं।
- भारत और वियतनाम के बीच आपसी विश्वास और मैत्रीपूर्ण संबंध आज भी उतने ही मजबूत हैं जितने कि शुरुआती दौर में थे। हाल के समय में, हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी में और भी वृद्धि हुई है। इसमें राजनीतिक सम्बन्धों के साथ-साथ व्यापार और निवेश सम्बन्धों ,ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग, विकास में भागीदारी, रक्षा एवं सुरक्षा क्षेत्र में सहयोग और दोनों देशों के लोगों के बीच सम्बन्धों में भी मजबूती आई है। यह पावन अवसर है कि हम इस वर्ष भारत की आज़ादी की 75वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। इसे हम 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' के रूप में मना रहे हैं।

➢ विगत 50 वर्षों के दौरान भारत और वियतनाम के संबंध और अधिक प्रगाढ़ हुए हैं । वर्ष 2007 के दौरान दोनों देशों के संबंध ''रणनीतिक साझेदारी'' में बदल गए। सितंबर, 2016 में हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के वियतनाम दौरे के दौरान हमारे द्विपक्षीय संबंध और सुदृढ़ हुए तथा इसी दौरान हमारी साझेदारी ने ''व्यापक रणनीतिक साझेदारी'' का स्वरूप ले लिया।

➢ कोविड-19 महामारी के प्रकोप के बावजूद, भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और वियतनाम के तत्कालीन प्रधानमंत्री महामहिम श्री न्गुएन जुआन फुक ने 21 दिसंबर, 2020 को आयोजित पहले भारत-वियतनाम वर्चुअल सम्मेलन में भाग लिया।

➢ इस सम्मेलन के दौरान दोनों प्रधानमंत्रियों ने भविष्य में द्विपक्षीय संबंधों को और सुदृढ़ बनाने का मार्ग प्रशस्त करने के लिए **"शांति, समृद्धि और जनता हेतु संयुक्त विज़न''** को अपनाया। इस वर्चुअल शिखर सम्मेलन के दौरान दोनों देशों के विदेश मंत्रियों ने उक्त संयुक्त विज़न को मूर्त रूप देने के लिए 2021-23 की अवधि के लिए एक कार्य योजना पर हस्ताक्षर भी किए।

➢ पिछले वर्ष, दो अवसरों पर मुझे वियना एवं नई दिल्ली में वियतनाम की नेशनल असेम्बली के चेयरमैन से मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। अपने इस दौरे के दौरान, मुझे उनसे पुनः भेंट करने का सौभाग्य भी प्राप्त हुआ।

➢ विगत कुछ वर्षों के दौरान, भारत-वियतनाम के बीच आर्थिक और वाणिज्यिक संबंध और मजबूत हुए हैं। दोनों देशों की सरकारों और व्यवसायियों द्वारा हमारे आर्थिक सम्बन्धों पर अधिक ध्यान दिये जाने के परिणामस्वरूप दोनों देशों के बीच परस्पर व्यापार और निवेश का सकारात्मक माहौल बना हुआ है।

➢ वर्ष 2000 में भारत और वियतनाम के बीच केवल 200 मिलियन अमरीकी डालर का व्यापार हुआ था जिसमें पिछले कुछ वर्षों में निरंतर वृद्धि हुई है और यह वर्ष 2021 में बढ़कर 13 बिलियन अमरीकी डालर से अधिक हो गया है।

➢ **इस प्रकार, भारत वियतनाम का 8वां सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बन गया है । वर्ष 2021 में, वियतनाम भारत का विश्व भर में 15वां और आसियान देशों में चौथा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार था ।**

➢ **भारत ने वियतनाम में लगभग 1.9 बिलियन अमरीकी डालर का निवेश किया हुआ है। दिसंबर, 2021 तक वियतनाम में निवेश करने वाले देशों और क्षेत्रों में भारत का 25वां स्थान था।**

➢ 2021 तक, वियतनाम द्वारा भारत में छह परियोजनाओं में 28.55 मिलियन अमरीकी डालर का निवेश किया गया है। वियतनाम के साथ भारत की वर्षों पुरानी विकास संबंधी साझेदारी रही है जिसके चलते भारत ने

वियतनाम में क्षमता निर्माण, सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति और सामाजिक-आर्थिक विकास हेतु सकारात्मक भागीदारी की है।

➢ **मैं आशा करता हूं कि सतत विकास और ग्रीन इकोनॉमी के क्षेत्र में सहयोग से दोनों देशों के बीच भावी साझेदारी को सुदृढ़ करने के लिए व्यवसाय की नई संभावनाएं पैदा होंगी।**

➢ देवियो और सज्जनो, भारत और वियतनाम के बीच घनिष्ठ मित्रता का आधार दोनों देशों के बीच दो हज़ार वर्ष पुराने ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंध हैं। इसलिए, हमारे प्राचीन सांस्कृतिक सम्बन्धों को सुदृढ़ करना भी हमारी प्राथमिकता है।

➢ **हमारे इसी प्रयास के एक भाग के रूप में भारत, वियतनाम के क्वांग नाम प्रोविंस में माई सन विश्व धरोहर स्थल पर स्थित प्राचीन चाम स्मारकों के संरक्षण और पुनरूद्धार हेतु 2.25 मिलियन अमरीकी डालर की तकनीकी सहायता उपलब्ध करा रहा है, जिससे दोनों देशों के बीच गहन सभ्यतागत संबंध स्पष्ट होते हैं।**

➢ **मुझे स्मरण है कि हाल ही में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के विशेषज्ञों ने माई सन मंदिर (जिसे मी सन कहा जाता है) परिसर में 9वीं ईस्वी के एक विशालकाय शिवलिंग की खोज की है।**

➢ सितंबर, 2016 में हनोई में स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केन्द्र (SVCC) की स्थापना की गई थी। इसका उद्देश्य सांस्कृतिक आदान-प्रदान के माध्यम से भारत के बारे में व्यापक समझ को बढ़ावा देना और दोनों देशों के लोगों के बीच संबंधों को घनिष्ठ बनाना था। दोनों देशों के बीच युवा शिष्टमंडलों के नियमित रूप से दौरे होते रहते हैं। द वियतनाम इंस्टीटयूट फॉर इंडियन एंड साउथ-वेस्ट एशियन स्टडीज (VIISAS) तथा दि सेंटर फॉर इंडियन स्टीज, वियतनाम में स्थित ये दो ऐसे महत्वपूर्ण केन्द्र हैं, जिनका उद्देश्य भारत संबंधी अध्ययन करना और भारतीय संस्थाओं के साथ शैक्षणिक सहयोग करना है।

➢ **मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि भारतीय दूतावास वियतनाम में भारतीय समुदाय और बहुत से वियतनामी संगठनों के साथ मिलकर भारत की आज़ादी की 75वीं वर्षगांठ ''आजादी का अमृत महोत्सव'' मना रहा है और भारत-वियतनाम संबंधों में भारत की उपलब्धियों और विकास को दर्शाने वाले अनेक कार्यकलापों का आयोजन कर रहा है।**

➢ साथियो, मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि वियतनाम की समृद्धि और सफलता में भारतीय समुदाय महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है । यद्यपि, यहां भारतीय समुदाय के केवल 6000 लोग रहते हैं, परंतु

उन्होंने अपने-अपने क्षेत्रों अर्थात् व्यवसाय और व्यापार कंपनियों, ऑयल रिफाइनरी, आईटी क्षेत्र, होटल/रेस्टॉरेंट, माइनिंग, योग संस्थानों, नागर विमानन क्षेत्र और शिक्षा के क्षेत्र में अपनी एक विशेष पहचान बनाई है।

➢ **मुझे पता चला है कि वर्तमान में वियतनाम में कुछ भारतीय बहुराष्ट्रीय कंपनियों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों में उच्च पदों पर कार्य कर रहे हैं। मैं भारतीय समुदाय के लोगों को वियतनाम में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां प्राप्त करने के लिए बधाई देता हूं।**

➢ मुझे यह जानकर खुशी हुई कि वियतनाम में भारतीय निवेशक विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय योगदान दे रहे हैं। द इंडियन बिजनस चैम्बर ऑफ वियतनाम (INCHAM-इन्चैम) 1999 में अपनी स्थापना से वियतनाम में भारतीय समुदाय का प्रतिनिधित्व कर रहा है और भारतीय व्यवसाय के हितों को बढ़ावा दे रहा है। यह चैम्बर अपनी स्थापना के बाद बहुत कम समय में अपने प्रयासों में अत्यधिक सफल रहा है और वियतनाम में भारतीय समुदाय के लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण संस्थान बन गया है।

➢ मुझे जानकारी मिली है कि इन्चैम ने वियतनाम में स्वास्थ्य केंद्रों को उन्नत बनाने हेतु निधियां उपलब्ध कराने, विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान करने, एजेंट ऑरेंज के पीड़ितों की सहायता और एड्स की रोकथाम के लिए नकद धनराशि का दान करने, रेड क्रॉस के सहयोग से रक्तदान कैंप का आयोजन करने और आधारभूत ढांचा बनाने जैसे अनेक धर्मार्थ कार्यक्रम भी आयोजित किए हैं।

➢ **प्रवासी भारतीय हमारे वास्तविक राजदूत हैं। मुझे यह जानकर प्रसन्नता हो रही है कि भारतीय निवेशक वियतनाम में विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय योगदान दे रहे हैं। वे जिस भी देश में रह रहे हैं और जिस भी देश को उन्होंने अपना निवास स्थान बनाया है, वहां उन्होंने हमारी संस्कृति और परंपराओं को आगे बढ़ाया है और उन्हें संजोकर रखा है। मैं आशा करता हूं कि आप अपनी उपलब्धियों से भविष्य में भी हमें गर्व महसूस कराते रहेंगे।**

➢ **मुझे विश्वास है कि वियतनाम में रहने वाले भारतीय, दोनों देशों के बीच प्रत्येक क्षेत्र में संबंधों को मजबूत बनाने के लिए कार्य करते रहेंगे।**

➢ **इन्हीं शब्दों के साथ, मैं यहाँ मौजूद भारतीय समुदाय के लोगों को अपनी शुभकामनाएं देता हूं और उनके भावी प्रयासों की सफलता की कामना करता हूं।**

➢ **धन्यवाद।**